

# 3

## मिलना-जुलना...

### अनौपचारिक आयोजनों के लिए शिष्टाचार

#### परिचय

सोनाली परेशान थी। उसे बहुत असहज महसूस हो रहा था। इसकी वजह क्या थी? ये तो ऐसा मौका था जिसके लिए उसे अच्छा महसूस होना चाहिए था। कल उसे गोरखपुर कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंस में अपने एक सीनियर द्वारा आयोजित 'गेट टु नो ईच अदर' पार्टी में शामिल होना है। ये तो बहुत मजेदार होना चाहिए, है न? लेकिन सोनाली बहुत शर्मीली किस्म की लड़की है और इसे बहुत बड़े समूह में लोगों से मिलने या बातचीत करने का कोई तजुर्बा नहीं है। ये आयोजनों में मजे लेने की बजाय परेशान और खामोश रहती है।

ये उस घटना को याद करके सिहर गयी, जब ये अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में गई थी। जब वहां इसका परिचय पूछा गया तो ये हकलाकर मुश्किल से कुछ शब्द बोल पाई थी। इसके बाद वह पूरी पार्टी में एक खंबे के पीछे छिपी रही और लोगों से मिलने से बचती रही। खाने का समय हुआ, तो ये वहां से निकलकर अनजाने में खाने की टेबल के पास लगी कतार के बीच में घुस गयी। जब उसे इसका एहसास हुआ तो वह इतना घबरा गयी कि उसके हाथों से प्लेट छूट गयी। उस घटना को याद करके सोनाली परेशानी में डूब गयी। ये फिर कभी किसी पार्टी में कैसे जा सकती थी। इसे यकीन था कि इसके साथ पढ़ने वाले लोग और इसके सीनियर्स पार्टी खत्म होने तक इसका मजाक उड़ाने लगेंगे।

सोनाली ने ऊंची आवाज़ में कहा—मैं नहीं जाऊंगी। कमरे में घुसती उसकी कज़न रश्मि ने पूछा कि तुम कहां नहीं जाओगी। रश्मि, सोनाली से दो साल बड़ी थी और बड़े शहर में पली-बढ़ी थी। ये गुड़गांव के एक जाने-माने बीपीओ में काम करती थी। उस समय ये छुट्टी बिताने के लिए

Welcome to the Freshers'  
Get-Together



गोरखपुर में सोनाली और उसके परिवार के पास आई हुई थी। सोनाली की कहानी सुनकर रश्मि ने मुस्कराते हुए कहा—पार्टी में जाने से घबराहट हो रही है? परेशान मत हो। मुझे भी उस समय तक पार्टी में जाने से परेशानी होती थी, जब तक मुझे एहसास नहीं हुआ था कि पार्टी मजे करने और नए लोगों से परिचय का अच्छा तरीका है। अब मुझे पार्टियों में जाना बहुत अच्छा लगता है, ये कोई बड़ी बात नहीं है। चलो, मैं तुम्हें किसी भी सामाजिक समारोह का आमंत्रण स्वीकार करने से लेकर वहां से विदा होने तक की तमाम बारीकियां समझाती हूँ।

सोनाली ने कहा—शुक्रिया, लेकिन मैं सोच रही हूँ कि उस पार्टी में न जाऊँ।

## समस्या की पहचान

आमंत्रण स्वीकार कर लेने पर बिना किसी उचित कारण के और मेज़बानों को पहले से बताये बिना पार्टी में नहीं जाना बहुत बड़ी अशिष्टता है। आप ये नहीं कह सकते कि आपको जाने का मन नहीं है। क्या आपने कभी इस पर विचार किया है? और क्या आपने कभी इन सवालों पर गौर किया है?

किसी पार्टी/समारोह का आमंत्रण स्वीकार कर लेने के बाद क्या आप मेज़बानों को सूचित किये बिना वहां से गैरहाज़िर रह सकते हैं?

आपको पार्टी में कब पहुंचना चाहिए? जल्दी, क्योंकि समय का पाबंद होना अच्छा है; सही समय पर; या फिर देर से, जब पार्टी अपने पूरे रंग पर हो?

आप अपने आने की घोषणा कैसे करेंगे? क्या आपको चुपके से भीतर घुस जाना चाहिए या फिर चीखकर सबका ध्यान आकर्षित करना चाहिए कि पार्टी की जान आ गयी है? या क्या आपको पहले मेज़बानों से मिलना चाहिए?

क्या आपको मेज़बान के लिए कोई छोटा सा तोहफ़ा ले जाना चाहिए?

क्या आपको पार्टी में अपने साथ अपने मेहमानों को ले जाना चाहिए?

आप दूसरों से कैसे घुलेंगे-मिलेंगे? क्या आप अपने में सिमटे रहेंगे, अपने दोस्तों के आसपास रहेंगे या फिर वहां मौजूद दूसरे लोगों के बीच भी जायेंगे?

अगर आप कुदरती तौर पर शर्मीले हैं या किसी वजह से परेशान हैं, तो क्या इस शर्मीलेपन से उबरने का कोई तरीका है?

जिन समारोहों में आप दूसरे लोगों से अच्छी तरह वाकिफ़ नहीं हैं, वहां आप सुरक्षित ढंग से किन विषयों पर बातचीत कर सकते हैं? क्या आपको मौसम जैसे सामान्य विषयों पर टिके रहना चाहिए? क्या आप राजनीति और धर्म जैसे मुद्दों पर खुलकर बोल सकते हैं? क्या अपने किसी परिचित की आदतों या हरकतों के बारे में चर्चा करना ठीक है?

अगर कोई मेहमान हंगामा करने लगे तो आपको क्या करना चाहिए? क्या आपको पार्टी से चले जाना चाहिए? या फिर शांत रहकर मेज़बान को हालात संभालने देना चाहिए? या फिर हंगामा कर रहे लोगों से उलझना चाहिए?

अगर एल्कोहलिक ड्रिंक (शराब) परोसी जा रही हो तो आपको क्या करना चाहिए? क्या आपको वहां से चले जाना चाहिए? या शराब पीना चाहिए? इसकी सीमा कितनी होनी चाहिए।

जब खाना परोसा जाए तो क्या आपको भाग कर सबसे पहले खाना ले लेना चाहिए? या फिर आपको तमाम लोगों के पीछे रहना चाहिए?

समारोह में कितनी देर तक रहना चाहिए? क्या सबसे पहले या सबसे अंत में वहां से निकलना उचित है?

आपको गुडबाय कैसे कहना चाहिए?

## रश्मि की सलाह

सोनाली ने कहा—ओह, इनमे से ज़्यादातर बातों के बारे में तो मैंने पहले कभी सोचा भी नहीं था। अब तो मुझे और ज़्यादा डर लग रहा है।

रश्मि ने हंसकर कहा—बेवकूफ़ मत बनो, मेरी सीधी—साधी सलाह पर गौर करो और देखना कि तुम पार्टी में लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय हो जाओगी। ये कोई रॉकेट साइंस भले ही न हो, लेकिन ये मेंटल और इमोशनल कैमिस्ट्री है। अगर तुम ये करोगी तो फिर तुमसे कोई ग़लती नहीं हो सकती।

**हमेशा काम आने वाली बात:** अपनी सोच और अपने एहसास को सकारात्मक बनाये रखो, ये अहम बात है। लोग तुम्हारा मज़ाक उड़ाने के लिए तुम्हें समारोह में नहीं बुला रहे हैं। ऐसा बिल्कुल नहीं है। वे तुमसे वाकिफ़ होने और मज़े करने के लिए तुम्हें आमंत्रित कर रहे हैं। इसलिए गहरी सांस लेकर ठंडे दिमाग से सोचो और मेरी बात पर ध्यान दो। सोचो कि तुम पार्टी में हो, लोगों से बात कर रही हो और आनंद ले रही हो। लोग तुम्हारी हाज़िरजवाबी पर फ़िदा हैं, वे तुम्हारे साथ हंस रहे हैं, तुम पर नहीं। इसका थोड़ा अभ्यास करो। एक बार ठंडे दिमाग से इसके बारे में सोच लो, तो तुम्हें अपने भीतर ऊर्जा महसूस होगी और तुम किसी भी समारोह में जा सकोगी। अब मैं एक—एक करके तुम्हें सारी बातें बताती हूँ।

### विवरण:

**आमंत्रण स्वीकार करना:** याद रखें कि मेज़बान पार्टी का आयोजन आने वाले मेहमानों की अनुमानित संख्या के आधार पर कर रहे होंगे। इसलिए आमंत्रण स्वीकार करने से पहले अच्छी तरह सोच—विचार कीजिए। एक बार स्वीकार लेने पर आखिरी पल में वहां

न जाने का फ़ैसला मत कीजिए। इससे आपके मेज़बान के हिसाब में गड़बड़ी हो जायेगी। अगर वाकई आपके पास कोई सही कारण हो जैसे—आपकी तबियत ख़राब हो या कोई और एमेरजेंसी हो तब ही वहां जाने का कार्यक्रम रद्द कीजिए। न जाने की सूचना के लिए उन्हें ईमेल मत लिखिए, क्योंकि हो सकता हो कि वे ईमेल न देखें। खुद फोन करके उनसे माफ़ी मांगिये। ये काम पार्टी से जितना पहले हो सके, कर लेना चाहिए, ताकि वे आपकी ग़ैरमौजूदगी को ध्यान में रखते हुए किसी और को आमंत्रित कर सकें।

**समारोह में पहुंचना:** बहुत जल्दी, यानी मेज़बान के ठीक से तैयार होने से पहले ही पहुंच जाने से उन्हें दिक्कत हो सकती है। क्योंकि उन्हें अपनी सारी तैयारियों के बीच आपके साथ भी वक्त बिताना होगा। लेकिन अगर वे आपके नज़दीकी दोस्त हैं और आप आयोजन में उनकी मदद करना चाहते हैं, तो आप जल्दी जा सकते हैं। लेकिन कभी भी बिना बताये ऐसा नहीं करना चाहिए। दूसरी तरफ़, बहुत देर से, यानी जब पार्टी ख़त्म होने वाली हो, उस वक्त पहुंचना भी अच्छा नहीं है। क्योंकि आप शायद दूसरे मेहमानों के जाने के बाद भी देर तक बैठे रहेंगे। आमतौर पर समारोह के लिए बताये गये समय पर वहां पहुंच जाना अच्छा रहता है। इससे मेज़बान तैयार रहते हैं और आपके पास भी पार्टी का मज़ा लेने के लिए काफ़ी वक्त होता है।

**अपने आने की घोषणा करना:** मेज़बान का अभिवादन किये बिना चुपके से भीतर मत घुसिए। लेकिन बहुत ज़ोर-ज़ोर से बोलने और सबका ध्यान खींचने की भी ज़रूरत नहीं है। आपको ऐसी कोई मांग भी नहीं करनी चाहिए, जिससे दूसरे मेहमानों का अभिवादन कर रहे मेज़बान का ध्यान भटके। उनका अभिवादन करके कहिए कि आप कुछ खाने-पीने के लिए ले लेंगे और फिर लोगों के बीच जाकर घुलना-मिलना शुरू कीजिए।

**मेज़बान के लिए उपहार:** अपने मेज़बान के लिए मिठाई के डब्बे जैसा छोटा सा उपहार ले जाना अच्छा रहता है। लेकिन आपको उन्हें ये ज़रूर बता देना चाहिए कि उस तोहफ़े को उसी शाम खोलने की ज़रूरत नहीं है। इसके अलावा आप तोहफ़े में फूल भी ले जा सकते हैं। लेकिन याद रखिए कि आपके मेज़बान को इसके लिए फूलदान ढूँढ़कर उन्हें लगाना पड़ सकता है।

**अपने साथ अपने मेहमानों को ले जाना:** अगर आपने अपने मेज़बान से पहले से अनुमति नहीं ली है, तो कृपया अपने साथ किसी और को मत ले जाइये। ये मान कर मत चलिए कि आपके मेज़बान को अपने समारोह में किसी अनजान व्यक्ति का होना नहीं खटकेगा। छोटे-मोटे तोहफ़े लाना जितना अच्छा है, उतना ही बुरा है बिना बताये मेहमानों को अपने साथ लाना।

**लोगों से घुलना-मिलना:** पार्टी में आप दीवार से चिपककर या किसी खंबे के पीछे मत छिपे रहिए। थोड़ा सामाजिक बनिए। अगर शुरू में आपको झिझक हो रही हो,

तो कुछ परिचित चेहरे तलाशिये। ऐसे लोगों से बात कीजिए जिन्हें आप पहले से जानते हैं। लेकिन ये सिर्फ शुरुआत के लिए होना चाहिए। आत्मविश्वास आने पर आपको आगे बढ़कर दूसरे लोगों से भी मिलना चाहिए। आपको वहां मौजूद सभी लोगों के बीच जाना चाहिए।

**लोगों के बीच शर्मीलेपन से उबरने के कुछ तरीके:** अगर आपका स्वभाव शर्मीला है तो आप इस शर्मीलेपन से उबरने के लिए ये तरीके अपना सकते हैं—

- ❖ **कुछ विषयों पर बातचीत का पहले से अभ्यास कीजिए:** जब आपको समझ में नहीं आ रहा हो कि किसी मुद्दे पर क्या बोलना चाहिए तो आप ऐसा विषय छेड़ सकते हैं, जिसके बारे में आपको कुछ जानकारी हो। ये हाल ही में देखी गई फिल्म, या फिर ऐसी कोई दिलचस्प किताब हो सकती है जिसे आप पढ़ रहे हों। आप किसी चर्चित व्यक्ति पर भी बात कर सकते हैं। लेकिन जब आप बोलना शुरू करें, तो लगातार खुद ही नहीं बोलते रहें। दूसरो को भी बोलने का मौका दें। बातचीत में दूसरों की भागीदारी ज़रूरी है। दूसरों की बात सुनने की आदत डालिए। फिर उनकी बात का जवाब दीजिए।
- ❖ **ज़्यादा परेशान होने की ज़रूरत नहीं है:** शुरु में आपकी बातचीत बहुत असरदार नहीं हो सकती है, लेकिन आपको अपनी कोशिशों पर नाज़ होना चाहिए। यहां नतीजा नहीं, बल्कि कोशिश ज़्यादा मायने रखती है। छोटी सी शुरुआत से जल्दी ही आप इसमें माहिर हो जायेंगे।
- ❖ **लोगों को बता दीजिए की आपको झिझक होती है:** इससे लोगों को हैरानी नहीं होगी कि आप इतने ख़ामोश क्यों हैं। उन्हें ये नहीं लगेगा कि आप घमंडी या सबसे अलग-थलग रहते हैं, बल्कि वे समझ जायेंगे कि आप कुदरती तौर पर शर्मीले हैं। वे आपकी मदद करेंगे।
- ❖ **आप पार्टी का आनंद लेने की कल्पना कीजिए:** इस पर सजग रूप से सोच-विचार कीजिए और कल्पना कीजिए कि आप पार्टी का आनंद ले रहे हैं। अपनी सोच को सकारात्मक बनाये रखिए। मुस्कुराने और बात करने से आधी कामयाबी यूँ ही मिल जाती है।
- ❖ **अभ्यास:** खाली समय में आईने के सामने बैठकर बात करने का अभ्यास कीजिए। आप उन सभी ख़ास टिप्पणियों के बारे में सोचिए, जो आप लोगों के सामने पेश करना चाहेंगे। अपने किसी नज़दीकी दोस्त के साथ इन लाईन्स का अभ्यास कीजिए। जल्दी ही आप पायेंगे कि आप किसी समारोह में भी इन लाईन्स का इस्तेमाल कर पा रहे हैं।

**बातचीत के विषय:** बातचीत के लिए मौसम सबसे अच्छा विषय है। लेकिन आप मौसम के बारे में कितनी बातचीत कर सकते हैं! लोगों से घुल-मिल कर बात करने के लिए आपको अपने आसपास की दुनिया पर चर्चा करने में सक्षम होना चाहिए, जैसे कि हाल में हुई घटनाएं, किताबें, संगीत और फिल्में। अगर आप दूसरे व्यक्ति से अच्छी तरह वाकिफ नहीं हैं, तो आपको धर्म या राजनीति पर चर्चा नहीं करनी चाहिए। क्योंकि इससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंच सकती है। ये भावनात्मक विषय है और धर्म या राजनीति पर लोगों के विचार आपसे ठीक विपरीत और बहुत उग्र भी हो सकते हैं। इसलिए इनसे बचे रहना ही बेहतर है। अपने किसी ऐसे परिचित के बारे में भी झूठी-सच्ची बात मत कीजिए क्योंकि अगर उस व्यक्ति को पता चल गया तो मामला उलट सकता है।

**हंगामे के समय क्या करें:** अगर पार्टी में कोई बहुत बदतमीज़ी से पेश आने लगे या आपको वो ठीक नहीं लग रहा हो, तो आपको स्थिति को ध्यान से समझना चाहिए। अगर आपको लगता है कि पार्टी का माहौल बहुत हंगामेदार और असहज होता जा रहा है, तो आप पार्टी से जाने का फ़ैसला कर सकते हैं। लेकिन पहले देखिए कि मेज़बान हालात को कैसे संभाल रहे हैं। खुद कभी हंगामा कर रहे लोगों से मत उलझिये, क्योंकि इससे तनाव और शोरशराबा बढ़ेगा। हो सकता है आप खुद भी अशालीन व्यवहार करने लगे।

**एल्कोहल वाले ड्रिंक्स (शराब) परोसना:** पार्टियों और समारोहों में कई बार शराब या एल्कोहलिक ड्रिंक भी पेश किए जाते हैं। इसमें कोई दिक्कत नहीं है, बशर्त कि लोग पीने के बाद बदतमीज़ी न करने लगे। अगर ये थोड़ी मात्रा में ली जाये, तो इससे सहज होने और बातचीत में शामिल होने में मदद मिलती है। लेकिन मैं कभी ये सलाह नहीं दूंगी कि तुम्हें शर्मीलेपन से उबरने के लिए ड्रिंक लेनी चाहिए।

**खाना परोसे जाने पर आपका व्यवहार:** भुखंडों की तरह खाने की टेबल पर मत टूट पड़िये। कुछ लोगों को लगता है कि सबसे पहले पहुंचकर ही उन्हें सबसे अच्छी चीज़ें मिल पायेंगी। ये ग़लत है। मेज़बान ने लोगों की तादाद का हिसाब लगाकर खाने की चीज़ों और उनकी मात्रा का इंतज़ाम किया होगा। इसका ये अर्थ भी नहीं है कि आपके सभी लोगों के खा लेने और खाना ठंडा हो जाने तक पीछे रहना चाहिए। टेबल के पास कतार में खड़े होकर तमीज़ से खाना लेना चाहिए। एक ही बार में अपनी प्लेट को नहीं भर लेना चाहिए। ये बहुत गंदा लगता है और एक दूसरे में मिलकर खाने की चीज़ों का स्वाद भी बिगड़ जाता है। आप दूसरी बार भी खाना ले सकते हैं। आप अपने साथ बातचीत कर रहे लोगों के साथ बैठकर खाना ले सकते हैं। अगर आपको थोड़ा और खाना लेने की ज़रूरत महसूस हो, तो विनम्रता से अपने साथियों से पूछिये कि क्या वे भी कुछ और लेना चाहेंगे।

**विदा कब लें:** खाने के तुरंत बाद निकल जाना अशिष्टता है। इसलिए निकलने से पहले आपको थोड़ी देर लोगों से घुलमिलकर बातचीत करनी चाहिए। लेकिन आपको ज़रूरत से ज़्यादा देर तक वहां नहीं बने रहना चाहिए। मेज़बान को पार्टी खत्म करने का इंतजार होगा और आपकी मौजूदगी से उनको दिक्कत हो सकती है, बशर्त कि आप सफ़ाई करने में उनकी मदद करने का प्रस्ताव न कर रहे हों।

**विदा लेना:** मेज़बान से मिले बिना चुपके से समारोह से मत निकलिये। लेकिन ऐसा भी नहीं होना चाहिए कि आप उन्हें पकड़कर लंबा-चौड़ा भाषण देने लगें। क्योंकि और लोग भी उन्हें गुडबाय कहने का इंतजार कर रहे होंगे। आमंत्रण के लिए मेज़बान का शुक्रिया अदा कीजिए। उन्हें बताइये कि आपने पार्टी का कितना आनंद लिया और फिर अपने घर के लिए निकल जाइये।

**अन्य अनौपचारिक किस्म की मुलाकातों के अनुसार फेरबदल:** सोनाली ने मुस्कुराते हुए रश्मि से कहा कि तुमने जो बातें बताई हैं, उनसे काफी कुछ स्पष्ट हो गया है। मुझे लगता है कि अब मैं लोगों के बीच जा सकती हूँ।

रश्मि ने जवाब दिया—ज़्यादातर अनौपचारिक समारोहों में ये तरीके काम आते हैं, चाहे वह दोस्तों के साथ फिल्म जाने, शादी, या किटी पार्टी में शामिल होने या फिर क्लब जाने का मौका हो। लेकिन इसके लिए कुछ अतिरिक्त बातों पर भी ध्यान देना चाहिए। जैसे —

**दोस्तों के साथ फिल्म जाना:** फिल्म शुरू होने से पहले चाहे जितनी मर्जी बातचीत करें, लेकिन फिल्म शुरू होने के बाद:

- ❗ खामोश रहें क्योंकि आप अकेले फिल्म नहीं देख रहे हैं। अगर आपको कोई टिप्पणी करनी हो तो इंटरवल में या फिर फिल्म खत्म होने के बाद करें।
- ❗ अपने मोबाईल को साइलेंट मोड में रखें। शो के दौरान फोन पर बात न करें, इससे दूसरों को दिक्कत होगी।
- ❗ अगर बहुत ज़रूरी न हो, तो सिर्फ इंटरवल के दौरान ही अपनी सीट से उठें।
- ❗ फिल्म शुरू होने से पहले हॉल में प्रवेश करें। फिल्म शुरू होने के बाद घुसने पर आपको अंधेरे में अपनी सीट ढूंढनी होगी। इससे फिल्म देख रहे दूसरे लोगों का ध्यान भटकेगा। इंटरवल में निकलने पर अपनी सीट पर लौटते समय भी इसका ध्यान रखना चाहिए।
- ❗ आज ज़्यादातर सिनेमाघरों में लोगों को हॉल के भीतर खाने की चीज़ें ले जाने की अनुमति होती है। अगर आप भीतर कुछ खाना चाहते हैं, तो बिना शोर मचाये खाइये और हॉल में कचरा मत बिखेरिये या कोल्ड ड्रिंक मत गिराइये।

- ❧ फिल्म के क्रेडिट्स दिखायी देते ही सीट से मत उठिए। हो सकता है दूसरे लोग क्रेडिट्स देख रहे हो। अगर आप फिल्म के अंत में उसे बनाने में शामिल लोगों के नाम नहीं पढ़ते हैं तो ये उनके प्रति असम्मान व्यक्त करता है।

**विवाह में शामिल होना:** समारोह वाले कई नियम शादी पर भी लागू होते हैं। लेकिन इसके अलावा भी कुछ नियम हैं।

- ❧ इसके कुछ निश्चित ड्रेस कोड हैं, महिलाएं साड़ी, सलवार कमीज़ या लहंगा जैसा पारंपरिक वस्त्र पहन सकती हैं। जीन्स और शर्ट जैसी कैजुअल चीज़ या अंग प्रदर्शन करने वाले कपड़े मत पहनिये। शादी के अवसर पर कुछ आभूषण पहनना उचित है। पुरुष कुर्ता-पायजामा या कोई शालीन पैंट और शर्ट पहन सकते हैं। आपको बिल्कुल काले या बिल्कुल सफेद कपड़े पहनने से बचना चाहिए।
- ❧ आपको दूल्हा-दुल्हन के लिए उपहार ले जाना चाहिए। इसमें कोई घरेलू चीज़ हो सकती है, जो नवविवाहितों को अपनी गृहस्थी जमाने में मदद करे। आप किसी सुंदर लिफाफे में पैसे डालकर उसे दुल्हन को दे सकते हैं।
- ❧ दूल्हा-दुल्हन के माता-पिता का अभिवादन करने के बाद आप उस मंच की ओर बढ़ सकते हैं, जहां दूल्हा और दुल्हन आमतौर पर बैठे होते हैं। उन्हें बधाई देने और उन्हें उपहार सौंपने के बाद आपको वहां से हटकर दूसरे मेहमानों से मिलना चाहिए। इसके लिए आप पहले बताये गये तरीके अपना सकते हैं।
- ❧ अगर आप आयोजन की तस्वीरे लेना चाहते हैं, तो इसके लिए पहले आपको इजाज़त ले लेनी चाहिए।

**किटी पार्टी में शामिल होना:** किटी पार्टी आमतौर पर घरेलू महिलाओं का समूह होता है जो एक निश्चित अंतराल पर किसी के घर या फिर किसी होटल में मिलती हैं। इसके लिए सबसे पैसे लिये जाते हैं, जो किसी एक महिला को सौंप दिये जाते हैं। इसमें कई तरह की मजेदार बातें होती हैं और सभी मिलकर मज़ा करते हैं। इसके लिए भी आप पहले बताये गये समारोह वाले नियमों का पालन कर सकते हैं। लेकिन ऐसी जगहों पर कुछ और बातें याद रखना ज़रूरी है।

- ❧ पार्टी की मेज़बानी करने वाले के प्रति शालीनता से पेश आइये। फर्नीचर और इंतज़ाम के बारे में सकारात्मक टिप्पणी कीजिए। खाने की तारीफ़ कीजिए।
- ❧ अनुपस्थित सदस्य के बारे में चटकारे लेकर बातें मत कीजिए। क्योंकि ऐसी बातें उस व्यक्ति तक पहुंच सकती हैं।
- ❧ इस अवसर पर आप अपनी नई ड्रेस पहन कर जा सकती हैं, अपने रिश्तेदारों की शिकायत कर सकती हैं और मज़े ले सकती हैं। लेकिन आपको ज़िम्मेदारी से पेश

आना चाहिए और गौसिप करके या तीखी टिप्पणी करके किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए।

**डेट पर जाना:** सच है कि हम आधुनिक युग में रह रहे हैं। लड़के-लड़कियां डेट के लिए एक दूसरे से मिलते-जुलते हैं। लेकिन इसका ये अर्थ नहीं है कि इसमें किसी शिष्टाचार की ज़रूरत नहीं होती है, खासकर पहली डेट के दौरान हमारी फिल्मों और टेलीविजन सीरियल में अक्सर बहुत एकतरफ़ा नज़ारा पेश किया जाता है। इसमें या तो बहुत पारंपरिक परिवार दिखाये जाते हैं या फिर दूसरी तरफ़ ऐसे जोड़े दिखाये जाते हैं, जो एक-दूसरे के लिए सारी दुनिया को छोड़ देते हैं। लेकिन वास्तविकता इससे बहुत अलग है।

- ❧ समय पर पहुंचिये अपने साथी से इंतज़ार मत करवाइये। ये एक बुरी शुरुआत होगी। इससे शुरु से ही रिश्ते में थोड़ी चिढ़ पैदा हो जायेगी।
- ❧ आपका डेट आपके लिए गुलदस्ते जैसा छोटा सा तोहफ़ा ला सकता है। ऐसे उपहार को शालीनता से स्वीकार कर लेना चाहिए। लेकिन अगर वो घड़ी या अंगूठी जैसी कोई महंगी चीज़ लेकर आये, तो आपको तमीज़दार ढंग से उसे लेने से इनकार कर देना चाहिए। क्योंकि आप उस व्यक्ति से अच्छी तरह वाकिफ़ नहीं हैं।
- ❧ बिल्कुल खामोश मत रहिए, क्योंकि इससे बहुत अजीब माहौल बन सकता है, खासकर पहले डेट के समय। इस अवसर पर आप बातचीत के लिए समारोहों वाले नियमों का उपयोग कर सकते हैं। आपको खुशनुमा ढंग से बात करनी चाहिए। संगीत या किताब जैसी सामान्य रुचियों का पता लगाइये, इससे आपको बातचीत में आसानी होगी। लेकिन कभी भी अपने डेट को प्रभावित करने के लिए किसी चीज़ में दिलचस्पी होने का झूठा नाटक मत करिये। अपने बारे में बढ़-चढ़ कर मत बताइये, क्योंकि ये बहुत ऊबाऊ और एकतरफ़ा हो सकता है।
- ❧ अपनी डेट से नज़रें मिलाकर बात कीजिए। इससे ज़ाहिर होगा कि आप कुछ भी नहीं छिपा रहे हैं और दूसरे में आपकी दिलचस्पी है। कहा जाता है कि आंखें दिल का आईना होती हैं।
- ❧ अपने डेट के साथ शालीन व्यवहार कीजिए और उसकी तारीफ़ कीजिए। लेकिन ये इतना ज़्यादा भी नहीं होना चाहिए कि बिल्कुल झूठ लगने लगे।
- ❧ पहली कुछ मुलाकातों में हाथ पकड़ने या किस करने जैसे शारीरिक संपर्क होने से बचना चाहिए। अभी तो आपने दूसरे व्यक्ति को जानना शुरु ही किया है।
- ❧ स्मार्ट कपड़े पहनिये और बिल्कुल साफ़-सुथरे रहिये। आपसे हल्की खुशबू आनी चाहिए। लेकिन आपको भड़कीले कपड़े या तेज़ परफ्यूम का इस्तेमाल नहीं करना

चाहिए। दूसरे को अपने कपड़ों या अपनी दौलत से प्रभावित करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

- डेट के समय पुरुष खाने के बाद बिल देने की ज़िद कर सकता है। पहली मुलाकात में ये सही है, लेकिन इसके बाद हर मुलाकात में दोनों को बिल शेयर करने पर जोर देना चाहिए। ये आधुनिक युग है जिसमें पुरुष और महिला हर मामले में बराबर हैं।
- हो सकता है कि आपको अपनी डेट पसंद न आये, लेकिन इससे आपको बदतमीज़ी करने या अनमनापन दिखाने की छूट नहीं मिलती। हर इंसान की तरह उसे भी इज़्ज़त पाने का हक है। आप उसके साथ अगली बार डेट पर जाने से विनम्रता से मना कर सकते हैं। लेकिन आप जब तक साथ रहें, विनम्र और शालीन व्यवहार ही करना चाहिए।
- डेट के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करे। अगर संभव हो तो फोन को स्विच ऑफ़ रखें। अगर आप फोन पर किसी और से बात करने लगते हैं, तो इससे डेट के प्रति अशालीनता ज़ाहिर होती है।

सोनाली ने अपना माथा पोंछते हुए कहा कि इन बातों ने तो मुझे सोचने के लिए काफी मसाला दे दिया है। मुझे लगता है कि अब मुझमें पार्टी में जाने के लायक आत्मविश्वास आ गया है। मुझे दूसरे सामाजिक आयोजनों के लिए भी कोई चिंता नहीं लग रही है। मुझे लगता है कि ये सकारात्मक सोच की ताकत है।

## सारांश

सोनाली को हैरानी हुई कि उसे पार्टी में बहुत मज़ा आया। वो नये और दिलचस्प लोगों से मिली और उसे उनके कामों में वाकई बहुत दिलचस्पी हुई। रश्मि की बदौलत सोनाली अपने खोल से निकलकर सहज होकर पार्टी का आनंद ले पाई। लेकिन आप भी हमारे द्वारा बताई गई बातों पर ध्यान देंगे, तो पायेंगे कि सामाजिक मेलजोल इतना बड़ा झमेला भी नहीं है। इसकी बजाय ये बहुत मज़ेदार आयोजन हो सकते हैं। एक बार आप अनौपचारिक समारोहों में व्यवहार की बुनियादी बातों को याद करके उनका अभ्यास कर लें, तो आप उनका इस्तेमाल कर पायेंगे।

**अपना रवैया सकारात्मक रखिए:** आप जैसा सोचते हैं, आमतौर पर वैसा ही होता है। आप शुरू से ही असहज और डर से घिरे होंगे, तो निश्चित रूप से आप खुद को सबसे अलग-थलग पायेंगे। लेकिन अगर आप सकारात्मक ढंग से सोचें और खुद को सहज मूड में रखने की कल्पना करें तो आप पायेंगे कि आप वाकई अच्छे मूड में हैं और आयोजन का आनंद ले रहे हैं।



**चर्चा के लिए कुछ निश्चित विषय रखिए:** ज़्यादातर लोग बोलने में कुदरती रूप से माहिर नहीं होते। हो सकता है कि आपकी समझ में न आये कि किसी समारोह में क्या बोलना चाहिए और आप खामोश रहें। दूसरी तरफ़ अगर आपने कुछ दिलचस्प विषयों पर बातचीत का अभ्यास किया हो, तो बातें शुरू करने और लोगों से दोस्ताना व्यवहार बनाने में उनका इस्तेमाल किया जा सकता है। याद रखिये कि आपकी बात से ऐसा नहीं लगना चाहिए कि आपने इसका पहले से अभ्यास किया है, नहीं तो ये बोरिंग लगने लगेगा। इसलिए ऐसे विषयों पर कुछ दिलचस्प तथ्य या टिप्पणियां रखिये और उनमें बदलाव भी करते रहिए।

**शर्मीलापन छोड़कर लोगों से मेलजोल बढ़ाइये:** याद रखिये कि किसी समारोह में आप आनंद लेने के लिए ही गये हैं, और अगर आप इस बात को अपने मन में रखेंगे तो आनंद लेने के तौर-तरीके अपने आप समझ में आने लगेंगे।

